शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

सरस्वती बाल मंदिर, जी ब्लॉक, नारायणा विहार, नई दिल्ली 110028 | ई-मेल : atulssun@gmail.com

तिथि : भाद्रपद कृष्णा, द्वादशी, वि.सं.२०७७

दिनांक: 16 अगस्त 2020

प्रेस विज्ञप्ति

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन प्रत्येक भारतीय का दायित्व : प्रो. अनिरुद्ध देशपांडे

क्रियान्वयन हेतु शीघ्र देश के प्रमुख शिक्षाविदों के नेतृत्व में समिति का गठन करे केंद्र सरकार

नई दिल्ली : "नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में समाज को आगे ले जाने का चिंतन है। समाविष्ट शिक्षा ही शिक्षा नीति का अंतिम लक्ष्य है। शैक्षणिक संस्थाओं को सामाजिक दायित्व का बोध कराने वाली यह नीति है।" ये उद्गार शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की राष्ट्रीय शैक्षिक कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सम्पर्क प्रमुख प्रो. अनिरुद्ध देशपांडे ने व्यक्त किए। कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रख्यात शिक्षाविद् श्री दीनानाथ बत्रा ने किया। कार्यशाला में भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव डॉ. वी.के. मल्होत्रा सहित अनेक केंद्रीय संस्थानों के प्रमुख एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों, एनआईटी, आईआईटी के कुलाधिपति, कुलपति, निदेशक, वरिष्ठ प्राध्यापक उपस्थित थे। साथ ही देश के 30 प्रांतों से न्यास के 350 से अधिक वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रो. अनिरुद्ध देशपांडे ने अपने सम्बोधन में आगे कहा कि शिक्षा नीति के विकेंद्रीकरण से सामाजिक सौहार्द बढ़ेगा। इसके क्रियान्वयन में सब कुछ सरकार करे यह उचित नहीं है। हमारा भी दायित्व है कि स्वयं इसके लिए भागीदारी करें। अनुकूल वातावरण बना है, इसका लाभ लेते हुए स्वयं अपने पैरों पर खड़े होकर विश्व का मार्गदर्शन करने का समय है।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव श्री अतुल कोठारी ने कहा कि शिक्षा को बदलने का काम एक दिन का नहीं, यह मनुष्य बदलने की प्रक्रिया है, इसमें सभी के योगदान की आवश्यकता है। शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन कराने के लिए इस बिंदु को समझने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को फ़ाइलों से निकालकर वास्तविक धरातल पर लाना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। शिक्षा नीति, हर मन से हर जन तक पहुँचे तभी शिक्षा जगत में आमूलचूल परिवर्तन सम्भव है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय शैक्षिक कार्यशाला में एक प्रस्ताव भी पारित किया गया जिसमें उल्लेख किया गया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का लक्ष्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है जो विचारों से, बौद्धिकता से एवं कार्य व्यवहार से भारतीय बनें। प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए शिक्षाविद् श्री देश राज शर्मा ने

कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर क्रियान्वयन हेतु शीघ्र देश के प्रमुख शिक्षाविदों के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया जाए। केंद्र सरकार सभी राज्यों से क्रियान्वयन हेतु राज्य स्तर पर समितियों के गठन करने हेतु निर्देश जारी करे। केंद्रीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के स्तर पर क्रियान्वयन समितियों के गठन की प्रक्रिया आरम्भ की जाए।

इसके अतिरिक्त शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत अभियान को आगे ले जाने हेतु एक राष्ट्रीय स्तर पर समिति की घोषणा की गयी जिसमें देश के विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों सहित अनेक शिक्षाविद सदस्य बनाए गए। नीति के क्रियान्वयन को लेकर शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा भी एक राष्ट्रीय स्तर की समिति बनाने की घोषणा की गयी है।

कार्यशाला में न्यास के मध्य क्षेत्र के संरक्षक श्री सुरेश गुप्ता ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की आगामी कार्य योजना के लिए दायित्वों की घोषणा की जिसमें गुजरात के डॉ. जयेन्द्र जादव को प्रबंधन शिक्षा का राष्ट्रीय संयोजक, शिक्षाविद श्रीराम चौथाईवाले को वैदिक गणित का राष्ट्रीय संयोजक आदि प्रमुख हैं। कार्यक्रम का संचालन पर्यावरण के राष्ट्रीय संयोजक श्री संजय स्वामी जी ने किया।

अथर्व शर्मा
राष्ट्रीय संयोजक, प्रचार-प्रसार
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
9205954633